निबन्ध लेखन प्रतियोगिता

विषय - यातायात जागरूकता

नाम - कक्षा -

अनुक्रमांक = 30

प्रस्तावना :- हम सभी जानते हैं कि आज हमारे राज्य, हमारे देश में यातायात से सम्बन्धित विभिन्न घटनाएँ घटती हैं, जिसके कारण हमारे देश में जान-माल की बहुत हानि होती है। हमें एक ऐसा नियम, तकनीक बनानी है, जिसके कारण हमारे क्षेत्र में ट्रैफिक जाम नहीं होती रहती हैं। लोगों के गैर-जिम्मेदारी के कारण हमारे क्षेत्र में सड़कों पर भीड़ हो जाती, है, जिसका सामना उस क्षेत्र से जुड़े हुए सड़कों पर उपस्थित सभी वाहनों को परेशानी होती है।

यातायात में सड़कों पर जाम लगने के कारण :- हमारे क्षेत्र में जाम (सड़कों पर भीड़) लगने के कारण हम मनुष्य ही है। लोगों में यह भावना ही नहीं है कि हम सड़कों पर चले तो यातायात के नियमों का पालन करें। लोग तो जल्दी-जल्दी में सिर्फ अपने स्वार्थ के बारे में ही सोचता रहता है। लोगो में बहुत

Scanned By Scanner Go

लोग शिक्षित तो हैं परन्तु गैर-जिम्मेदारी के कारण सड़क पर दुर्घटनाएँ कर देते हैं। खासकर हमारे क्षेत्र में नाबालिक वर्ग के मनुष्य जो (21) वर्ष से कम उम्र के लोग हैं वे भी गाड़ियाँ चलाने लगते हैं और वे सोचते नहीं हैं कि हमारे पास गाड़ी चलाने का अधिकार है या नहीं। जब हम गाड़ियाँ चलाते हैं, तो हम यातायात के नियम और कानून को नहीं समझ पाते। यातायात पर जाम लगने के कारण निम्न-लिखित हैं :—

(1.) लोग जब गाड़ियां चलाते हैं, तो कोई हेलमेट, सीटबेल्ट नहीं लगाता है।

(2.) जिसके कारण उनकी दुर्घटना हो जाती है।

(3.) लोग वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग करते हैं, जिससे उनका दिल और दिमाक दोनों वाहन पर केन्द्रित नहीं हो पाता और सड़क दुर्घटना के कारण उनकी मौत हो जाती है।

(4.) लोग वाहन चलाते समय ट्रैफिक सिग्नल पर बहुत कम ध्यान देते हैं, और (लाल सिग्नल) जलने पर भी लोग वाहन चलाते रहते हैं और उनकी सड़क दुर्घटना हो जाती है जिसके कारण वहाँ भीड़ इकट्ठा होती है और समय बरबाद होता है तथा सड़कों पर जाम लग जाते हैं।

(5.) सड़कों पर जब हम यात्रा करते हैं, तो हम देखते हैं कि सड़क पतली होने पर जब ट्रक या बस अथवा बड़ी गाड़ियाँ

Scanned By Scanner Go

जाती आती हैं, तो सड़क पर स्थान नहीं रह पाता लेकिन फिर भी छोटी गाड़ियाँ जैसे मोटरसाइकिल उनके किनारे से जान जोखिम करके जाती हैं, तो हल्का सा साइड लगने पर उनकी दुर्घटना हो जाती है, जिसके कारण आवागमन में बाँधा हो जाती है तथा सड़कों पर जाम लग जाते हैं।

सड़कों पर जाम लगने का प्रभाव हमारे पूरे देश पर पड़ता हैं, जैसे लोग सड़क पर यातायात के नियम का उल्लंघन करके जाते आते रहते हैं, तो यदि कोई इमरजेन्सी हो, जैसे एम्बुलेंस में किसी महिला का डिलीवरी केस रहता है, तो सड़क पर भीड़ लगे रहने के कारण वह समय पर अस्पताल नहीं पहुँच पाती और उसकी मौत हो जाती हैं।

यातायात में जागरूकता के उपाय :-

यातायात में जागरूकता का आशय यह है कि लोग खुद शिक्षित होकर जिम्मेदार बने, कि हम देश के भविष्य हैं, यदि हम अपने देश के कानूनों को नजरअंदाज करेंगे तो इसका प्रभाव पूरे देश पर पड़ेगा।
यातायात में जागरूकता के उपाय निम्नलिखित हैं :—

(1) लोगों यह जानना आवश्यक है कि जब वे वाहन से यात्रा कर रहे हो, तो वे हेलमेट, सीटबेल्ट का उपयोग करे

Scanned By Scanner Go

और हमारा यह दायित्व बनता है कि हम खुद जिम्मेदार बने और अपना पूरा ध्यान वाहन पर ही दें।

② सड़क पर पैदल चलने वाले लोगों को यह चाहिए कि वे फुटपाथ से रास्ता क्रास करें।

③ वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करना चाहिए।

④ हमें ट्रैफिक नियमों का पालन करना चाहिए।

⑤ हमें यह कानूनन अधिकार यह है कि जब सड़को पर या कहीं यात्रा करने जाए, तो हमें ट्रैफिक रूल्स का ज्ञान होना चाहिए और हम यह जिम्मेदारी लें की हम इस देश के नागरिक है, हमारे कारण यातायात में कोई बाधा न उत्पन्न हो।

उपसंहार :-

आजकल हमारे देश में यातायात (दुर्घटना) दुर्घटना के कारण बहुत मौते होती है। हमारे क्षेत्र मे सड़को पर जाम लगने के कारण हमारा बहुत समय व्यर्थ हो जाता है। जैसे हमारे क्षेत्र जलालपुर में स्कूल से छुट्टियाँ होते समय बहुत जाम सड़को पर लग जाता है, तो हमे चाहिए कि हमारे क्षेत्र प्रशासन को यह व्यवस्था करनी चाहिए कि वे स्कूल की छुट्टियों के समय लगे जाम को दूर करे वे गाड़ियों को सही सिग्नल देकर जाने की आज्ञा दे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमे स्वयं जिम्मेदार होना चाहिए कि हमारे कारण यातायात में बाँधा न उत्पन्न हो। हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए।

Scanned with CamScanner Go